All India Citizens' Alliance for Progress & Development (AICAPD)
– Haryana Chapter

प्रेस विज्ञप्ति

झुग्गी बस्ती के बच्चों ने भी मनाया चलते फिरते स्कूल में गणतंत्र दिवस

वंचितों एवं बीच में पढ़ाई छोड़ चुके बच्चों के लिए वरदान साबित हो रहा है यह मोबाईल स्कूल

गुड़गॉव। दिनॉक 26 जनवरी,2011.,एआईसीएपीडी द्वारा संचालित 'इनोवेशन मोबाईल स्कूल ने अपना पहला गणतंत्र दिवस गुड़गॉव के जेल रोड स्थित झुग्गी बस्ती में अपने मोबाईल स्कूल के बच्चों के साथ मनाया।

इस अवसर पर झण्डारोहण के पश्चात मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए प्रो0 एस0 के0 कपूर, पूर्व सचिव, पंजाब नेशनल बैंक, ने कहा कि यह बड़ी चिंता का विषय है कि हमारे देश के 200 मिलियन 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चे 8वीं कक्षा तक की शिक्षा ग्रहण करने से वंचित रह जाते है, जिसमें स्कूल बीच में ही छोड़ने वाले बच्चों की संख्या ज्यादा है। उन्होंन कहा कि अब तो 'शिक्षा का अधिकार' भी लागू हो गया है ऐसे में यह देखना है कि इन वंचित बच्चों का 100 प्रतिशत नामांकन कैसे होगा। उन्होंने आगे कहा कि इस समय देश की राजधानी दिल्ली के पब्लिक स्कूल में नर्सरी के एडमीशन चल रहे है जिसमें कुछ उच्च वर्ग के बच्चों को ही एडमीशन मिल पाता है और हर वर्ष कई लाख बच्चे नर्सरी कक्षा में सीटों एवं स्कूलों की संख्या की कमी से रह जाते है। ऐसे में गैर सरकारी संस्थाओं की भूमिका बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार भी ऐसे मोबाईल स्कूल स्थापित करे तो कोंई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा।

मालुम हो कि हाल ही में एआईसीएपीडी के हरियाणा चेप्टर ने दो मोबाईल का लांच किया था जिनका उद्देश्य वंचित बच्चों के लिए उनके द्वार पर ही मोबाईल स्कुल द्वारा शिक्षा प्रदान करना है। यह मोबाईल स्कूल अपने शिक्षकों एवं वालुअंटियर्स के द्वारा सीधे देश के विभिन्न राज्यों से रोजी रोटी की तलाश में आए माइग्रेंट्स, रियल इस्टेट में कार्यरत मजदूरों, दैनिक वेतनभोगियों के वह बच्चे जो अपनी विषम परिस्थितियों के कारण स्कूल नहीं जा पाते, उन्हें उनके द्वार पर ही यह स्कूल निशुल्क शिक्षा प्रदान कर रहे हैं, इस दौरान इन बच्चों को निशुल्क किताबें, कापी, पेंसिलें इत्यादि की व्यवस्था भी इस संस्था द्वारा ही की जाती है। इस अपने आप में अनूठे मोबाईल स्कूल के आने से इन वंचित बच्चों के अभिभवकों में खुशी की लहर है। उनके अभिभावकों का कहना है कि उन्होंने कभी सोंचा भी नहीं था कि हम मजदूरों के बच्चे भी कभी स्कुल जा पायेंगे क्योंकि हम लोग तो काम की तलाश में एक स्थान से दूसरे स्थान पर काम की तलाश में घूमते रहते हैं और बड़े होने पर ये बच्चे भी मजदूर होने के बाध्य हो जाते है। लेकिन अब इस वर्ग में भी एक नई आशा की किरण जगी है। यह मोबाईल स्कूल एक डाटा बैंक भी बना रहा है जिसमें यदि ये बच्चे 2 से 3 साल में यदि किसी दूसरी जगह जाते हैं तो वहॉ भी यह अपने नेटवर्क के द्वारा इन बच्चों की आगे की पढ़ाई के व्यवस्था करेगा।

इस अवसर पर कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिससे इन झुग्गी के बच्चे रोमांचित हो उठे। उसके बाद पुस्तकें, कापी, पेंसिलें इत्यादि बच्चों को बांटी गई। इस अवसर पर एआईसीएपीडी के सदस्य सचिव, संदीप राजपूत, प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री टी एस श्रीधर, कोआडिनेटर्स श्री अश्विन कुमार, योगेश लालवत, सभी शिक्षक, वालुअंटियर्स, एवं अभिभावक उपस्थित थे।

.....

सम्पर्क सूत्र – संदीप राजपूत, सदस्य सचिव, एआईसीएपीडी,, 9717773134, sandeeprajput2@gmail.com